15/05/2018 (morning)

This question paper contains 3 printed pages.

Your Roll No. .....

Sl. No. of Ques. Paper : **4420** **HC**

Unique Paper Code : **12101401**

Name of Paper : **Text of Indian Philosophy**

Name of Course : **B.A. (Hons.) Philosophy— CBCS**

Semester : **IV**

Duration : **3 hours**

Maximum Marks : **75**

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिये गये निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिये।)

NOTE:— *Answers may be written either in English or in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.*

टिप्पणी:— *इस प्रश्नपत्र का उत्तर अंग्रेज़ी या हिन्दी किसी एक भाषा में दीजिए; लेकिन सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।*

Attempt five questions in all. Q. No. 7 is compulsory. All questions carry equal marks.

कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रश्न सं० 7 अनिवार्य है।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

P. T. O.

1. Explain the introductory verse of Nyāya Bindu Tikā, "All successful human action is preceded by right knowledge."

   "सभी पुरूषार्थों की सिद्धि यथार्थ ज्ञान के निमित्त से होती है।" न्यायबिन्दूटीका के इन पारिभाषिक शब्दों की व्याख्या कीजिए।

2. Explain "*Tat Kalponāpodhambhrānrm pratyaksam*' in the context of Nyāya Bindu Tikā.

   न्यायबिन्दूटीका के परिपेक्ष्य में "तत् प्रत्यक्षं कल्पोनापोढ़मभ्रानृम्" की व्याख्या कीजिए।

3. Describe different varieties of Direct Knowledge.

   प्रत्यक्ष ज्ञान के विभिन्न प्रकारों का विश्लेषण कीजिए।

4. Define Inference. What are the three aspects of a Valid Logical Mark. Explain with reference to Nyāya Bindu Tikā.

   अनुमान को परिभाषित कीजिए। लिंग के तीन रूप क्या हैं? न्यायबिन्दूटीका के सन्दर्भ में व्याख्या कीजिए।

5. Examine the concept of Negation, Identity and Causation as three kinds of logical marks. (Tri Linga)

   हेतु के तीन प्रकार— अनुपलब्धि, स्वभाव एवं कार्य— की अवधारणा की व्याख्या कीजिए।

6. Describe the principle of negative judgement and its different forms.

   अनुपलब्धि के सिद्धान्त एवं उसके विभिन्न प्रकारों की व्याख्या कीजिए।

7. Write short notes on any *two* of the following:

   (a) Object of Direct knowledge

   (b) Invariable concomitance

   (c) Kalpanā

   (d) Mental Sensation.

   निम्नलिखित में से किन्हीं दो विषयों पर संक्षिप्त टिप्पणी कीजिए:

   (a) प्रत्यक्ष ज्ञान का विषय

   (b) अविनाभावी सम्बंध (हेतू के तीन रूप)

   (c) कल्पना का स्वरूप

   (d) मानस प्रत्यक्ष।